IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, November 2025
Impact Factor: 7.67

मानव अधिकार: अवधारणा और महत्व

(Human Rights: Concept and Significance)

SARLA YADAV
Research Scholar (LNCT UNIVERSITY, BHOPAL)
Sarla.yadav1982@yahoo.com

सार -

प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है की वह गरिमामय जीवन यापन करें। संसार के प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक मूल्य को पहचानने का एक तरीका उनके मानवाधिकारों को स्वीकार करना और उनका सम्मान करना है। मानवाधिकार समानता और निष्पक्षता से संबंधित सिद्धांतों का एक समूह है। मानवाधिकार वे अधिकार है जो सभी व्यक्तियों को स्वतंत्र और समान मानते हैं, फिर चाहे उनकी उम्र, लिंग, जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्रीयता कुछ भी हो। समानता का यह मूल सिद्धांत ही मानवाधिकारों को 'सार्वभौमिक' बनाता है। "मानवाधिकार" हमारे आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणाओं में से एक है। मानवाधिकारों की घोषणा की 10वीं वर्षगांठ पर, एलेनोर रूजवेल्ट ने एक भाषण दिया जिसका शीर्षक था मानवाधिकार कहाँ से शुरू होते हैं? जिसमें चर्चा की गई कि मानवाधिकार इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं।

शब्द कुंजी -

मानवधिकार, सार्वभौमिक अधिकार, मानव अधिकारों की अवधारणा, मानव अधिकारों का महत्व, आर्थिक ,सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-29836